www.esamaad.com

समाद

मैथिली भाषा मे पहिल ई-पेपर
पटना, 14 अगस्त, 2010 • अंक-47 • वर्ष-3

सम्मान क कार्यालय मे रिक्शा चलेबाक आनंद

सबौर मे कृषि विश्वविद्यालय स्थापना समारोह क उद्घाटन करैत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। संग मे उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी, पीएचईडी मंत्री अश्विनी चौबे, कृषि मंत्री रेणु कुशवाहा, खाद्य आ उपभोक्ता संरक्षण मंत्री नरेन्द्र सिंह आ कुलपति डॉ. मेवालाल।

प्रत्यक्ष कर संग्रह मे पटना सबस आगू

ÂÅÙæ ÿæ˜æ ÅØçQ »Ì ¥æØ· Ú ÎÕæ × ÁÌØ
âßæçÏ· ßçh ÎÁ · Ü· ¥çÀ, ¥ôÌçã ¥ôlôç»·
· Ú ÎÕæ × âãô |y.®x Èèâ Îè · ßçh â» Îàæ
× ÌâÚ SÍæÙ ÂÕæ × âÈ Ü ÚãÜ ¥çÀÐ

नई दिल्ली। आयकर विभाग क ताजा रिपोर्ट क अनुसार पटना क्षेत्र व्यक्तिगत आयकर देबा मे जतय सर्वाधिक वृद्धि दर्ज केलक अछि, ओतहि औद्योगिक कर देबा मे सेहो 74.03 फीसदी क वृद्धि संग देश मे तेसर स्थान पेबा मे सफल रहल अछि। रिपोर्ट क अनुसार व्यक्तिगत आयकर क मामला मे पटना (बिहार आ झारखंड) क्षेत्र मे सर्वाधिक वृद्धि 92.95 फीसदी दर्ज कैल गेल अछि। एकर बाद लखनऊ (उत्तर प्रदेश-पूर्व) क्षेत्र मे 89.59 फीसदी, गुवाहाटी (उत्तर-पूर्व) क्षेत्र मे 60.38 फीसदी, कानपुर क्षेत्र मे 46.63 फीसदी आ मेरठ (उत्तर प्रदेश-पश्चिमी) मे 43.58 फीसदी क वृद्धि दर्ज कैल गेल अछि। व्यक्तिगत आयकर संग्रह 8.51 फीसदी क वृद्धि क संग 33,940 करोड़ टका रहल, एहि मे प्रतिभूति लेनदेन कर, रेसीड्युवल फ्रिंज बेनिफिट टैक्स आ बैंकिंग नकद लेनदेन कर सेहो शामिल अछि। एकर विपरीत गत वर्ष एहि चार मास मे इ 31,279 करोड़ टका छल।

व्यक्तिगत आयकर मे औसत वृद्धि प्रतिभूति लेनदेन कर मे 26.25 फीसदी क कारण देखबा मे भेटल। वित्त मंत्रालय क मुताबिक अप्रैल-जुलाई 2010-11 क बीच प्रतिभूति लेनदेन कर 1,652 करोड़ टका रहल, जखनकि गत वर्ष एहि अवधि मे इ 2,240 करोड़ टका छल। कुल मिला कए अप्रैल स जुलाई क बीच प्रत्यक्ष कर संग्रह 15.75 फीसदी बढ़िकए 85,647 करोड़ टका तक पहुंच गेल, जखकि बीतल वित्त वर्ष क एहि अवधि मे इ 73,990 करोड़ टका छल। जुलाई मे प्रत्यक्ष कर संग्रह 16.8 फीसदी क इजाफा क संग 16,972 करोड़ टका तक पहुंच गेल। गत वर्ष जुलाई मे इ 14,525 करोड़ टका छल। एहि अवधि मे उद्योग कर संग्रह 20.95 फीसदी क उछाल क संग 51,627 करोड़ दर्ज केलक, जखन कि वित्त वर्ष 2009-10 मे अप्रैल स जुलाई क बीच मे इ 42,685 करोड़ छल। औद्योगिक आयकर मे 219.23 फीसदी क सबस बेसी इजाफा भोपाल (मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़) क्षेत्र मे दर्ज कैल गेल। एकर बाद नागपुर क्षेत्र मे 86.36 फीसदी, पटना क्षेत्र मे 74.03 फीसदी, दिल्ली क्षेत्र मे 73.26 फीसदी, भुवनेश्वर क्षेत्र मे 55.92 फीसदी आओर पुणे क्षेत्र में 39.48 फीसदी क वृद्धि दर्ज कैल गेल अछि।

2014 तक बनि जाइत कोसी पर महासेतु

चौसा । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहला अछि जे प्राकृतिक आपदा क शिकार कोसी इलाका क पुनर्निर्माण क लेल हुनकर सरकार कृतसंकल्प अछि। मधेपुरा जिला क चौसा मे विजय घाट पर 367 करोड़ टका स कोसी नदी पर प्रस्तावित महासेतु क शिलान्यास करबाक बाद जनसभा कए संबोधित करैत नीतीश कहला जे कोसी नदी पर पहिल पुल क शिलान्यास तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी केने छलाह आ हमर सरकार बलुआहा घाट पर एकटा आओर पुल स्वीकृत केने अछि, जाहि पर काज तेजी स चलि रहल अछि, आइ कोसी नदी पर तेसर महासेतु क शिलान्यास करबा लेल आयल छी जे फरवरी 2014 तक बनिकए तैयार भ जाइत। मुख्यमंत्री कहला जे चारि लेनवाला एहि आरसीसी पुल क लंबाई 1840 मीटर अछि जखन कि पहुंच पथ क लंबाई 12 किमी अदि। क्रास ड्रेनेज आ गाइड बांध क निर्माण सेहो कैल जाइत। 47टा पाया वाला इ पुल मधेपुरा जिला क चौसा प्रखंड क भटगामा स शुरू होएत आ भागलपुर जिला क नवगछिया जीरोमाइल मे जा मिलत।

ओ कहला जे कोसी त्रासदी क बाद प्रधानमंत्री एकरा राष्ट्रीय आपदा घोषित केलथि आ केन्द्रीय टीम आबि कए नुकसान क आकलन केलक। मुदा केंद्र स एक टका नहि भेटल। मुदा हम हारि नहि मानब अहांक सहयोग आ आशीश स सरकार कोसी प्रक्षेत्र कए पहिने स बेहतर बनेबा लेल विश्व बैंक स 22 करोड़ डालर कर्ज ल रहल अछि।

एहि अवसर पर पथ निर्माण मंत्री डा. प्रेम कुमार कहला जे एहि पुल पर 367 करोड़ टका खर्च आउत। एहि स सहरसा, सुपौल, मधेपुरा आ भागलपुर जिला क लोक कए आसानी होएत। पुल बकन गेला स नवगछिया स मधेपुरा क दूरी 51 किमी, सहरसा आ सुपौल क दूरी 25 किमी तक कम भ जाएत। संगहि भागलपुर स पड़ोसी देश नेपाल सेहो लग भ जाएत। ज्ञात हुए जे एहि स पूर्व 13 जुलाई कए एहि पुल क शिलान्यास हेबाक छल मुदा कोनो कारणवश कार्यक्रम नहि भ सकल।

सुपर 30 इज द बेस्टः हुसैन

पटना। गरीब बच्चा कए इंजीनियर बनबाक सपना कए साकार करनिहार पटना क आईआईटी कांचिंग सेंटर सुपर 30 दुनियाभर मे नाम कमा रहल अछि। अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा क विशेष दूत रसद हुसैन सेहो सुपर 30 कए भारत क बेस्ट इंस्टिटयूट करार देलथि अछि.इस्लामिक संगठन क सम्मेलन कए संबोधित करैत ओबामा क विशेष दूत हुसैन कहला जे सुपर 30 भारत क सबस नीक संस्थान अछि आ अमरीकी राष्ट्रपति ओबामा क शिक्षा क क्षेत्र मे बदलाव अनबाक सपना क एकटा बेहतरीन उदाहरण अछि। हम जखन भारत क यात्रा पर अबैत छी हमरा इ सबस नीक गप लगैत अछि। संस्थान क बच्चा स भेंट करलाक बाद हुसैन कहला जे ओ सुपर 30 क एकेडमिक माहौल स बहुत प्रभावित छथि। हुसैन कहला जे टाइम्स पत्रिका मे स्थान पाबि चुकल सुपर थर्टी एशिया क सेहो सबस नीक संस्थान अछि। डिस्कवरी चौनल सेहो सुपर 30 पर डॉक्युमेंट्री तैयार केने अछि। उल्लेखनीय अछि जे पिछला तीन साल स एहि ठामक छात्र आईआईटी प्रवेश परीक्षा मे लगातार टॉप करैत आबि रहलाह अछि। हुसैन कहला जे इ संस्थान बहुत नीक शुरूआत केलक अछि, एहि ठाम छात्र धर्म आ जाति क भेदभाव बिसरी कए एक समुदाय क तहत रहैत छथि। हुसैन कहला जे ओ जखन अमरीका वापस जेताह त एहि ठामक अनुभव ओबामा कए विस्तार स सुनौताह। ओ कहला जे हुनकर पिता बिहार स संबंध रखैत छलाह, ताहि लेल हुनका बिहार स विशेष लगाव अछि।

बिहार मे औसतन सब दिन बनैत अछि एकटा पुल

पटना। पिछला वित्तीय वर्ष मे 16.59 प्रतिशत क आर्थिक वृद्धि क संग देश क सर्वाधिक तेजी स प्रगति करनिहार राज्य क कतार मे आगू भेल बिहार नवंबर 2005 क बाद स औसतन हर कार्य दिवस पर एकटा पुल क निर्माण करि रहल अछि। बिहार क सड़क निर्माण विभाग क सचिव प्रत्यय अमृत दावा करैत कहला, मुख्यमंत्री पुल निर्माण कार्यक्रम क तहत नवंबर 2005 स हमसब कुल 1,671 पुल क निर्माण केलहु अछि। अमृत कहला जे पिछला साढ़े चारि वर्ष मे 2,100 पुल बनाउल गेल अछि। इ रोजाना डेढ़ पुल क औसत अछि। एहि तरह पिछला चार दशक मे जेतबा काज नहि भेल ओतबा चारि वर्ष मे हासिल करि लेल गेल। एकर परिणामस्वरूप बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड क वार्षिक आय वर्ष 2008-09 क दौरान 858 करोड़ रहल, जखन कि तत्कालीन राबड़ी देवी सरकार मे वर्ष 2004-05 मे निगम क कुल आय केवल 42.62 करोड़ टका छल। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आधारभूत ढांचा क निर्माण क महत्व कए रेखांकित करैत अक्सर कहैत छथि, हमर सरकार केवल नदी पर पुल नहि बना रहल अछि बल्कि इ लोक कए दोसर समुदाय स जोड़िकए समाज मे सेहो सेतु क निर्माण करि रहल अछि। राज्य मे करीब दू दर्जन नदी अछि आओर एहि मे स अधिकतर पैघ नदी अछि। गंगा, पुनपुन, सोन, फल्गु, क्यूल, दुर्गावती आ कर्मनाशा राज्य क मध्य आओर दक्षिणी हिस्सा मे आ कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, बागमती, कमला आ महानंदा उत्तरी बिहार मे बहैत अछि।

पटना क बाहरी इलाका जमालपुर क रहनिहार संजय यादव कहला जे पिछला साल तक पुनपुन पर कोनो पुल नहि छल, ताहि स बड दिक्कत होइत छल। ओ कहला, हमर गाम पटना स केवल 20 किलोमीटर दूर अछि। हम पहिने तीन किलोमीटर पैदल चलिकए पक्की सड़क पर पहुंचैत छलहुं आ फेर कोनो वाहन से पटना जाइत छलहुं। आब हमर गाम म तीनटा पुल अछि। ओ कहला जे आसपास क गाम मे रहनिहार 700,000 लोक क लेल इ पुल वरदान अछि। अहां बुझी सकैत छी जे कोना नदी लोक कए एक-दोसर स काटि कए रखने छल, जखन कि अहां वास्तव मे शहर कए अपन सामने देखि रहल छी।

ÕÉæ©Ü Áæ°Ì ÂÅÙæ ãßæ§Õaæ· ÚÙß

नई दिल्ली । गगन यानी जीपीएस युक्त जियो ऑग्मेंटेड नेविगेशन प्रणाली क शुरुआत करैत नागरिक उड्डयन मंत्री प्रफुल्ल पटेल कहला जे बिहार क राजधानी पटना क हवाई अड्डा क विस्तार करबाक योजना पर काज भ रहल अछि। ओ कहला जे मंत्रालय रनवे क लंबाई बढ़ेबा लेल तैयार अछि,मुदा एकरा लेल जमीन क अधिग्रहण आदि क संभावना नहि अछि।

मंत्री जी कहला जे विस्तार क लेल हवाई अड्डे क पड़ोस मे मौजूद जैविक उद्यान क सहारा लेल जा सकैत अछि। एकर तहत उद्यान क किछु गाछ कए काटल जा सकैत अछि आ रनवे क लंबाई बढ़ाउल जा सकैत अछि। मुदा एकर संबंध मे पर्यावरण क पहलू स मंजूरी देबाक काज बिहार सरकार क अछि। कुल मिला कए पटेल एहि मामला मे अपन हाथ बचा, बिहार सरकार पर मामला कए डालि देलथि

दोसर दिस कहलथि जे गगण क संगहि भारत उपग्रह आधारित नेविगेशन प्रणाली वाला चारित देश बनि गेल। इ प्रणाली केवल अमेरिका, यूरोप आ जापान मे अछि। एहि प्रणाली क प्रमाणन क काज नवंबर स शुरू होएत आ जून 2013 तक चलत। नेविगेशन प्रणाली कोनो विमान कए उड़ान भरैत काल दिशा आ दूरी आदि बतेबाक काज करैत अछि। एकर बिना कोनो विमान कए उड़ान भरब संभव नहि अछि।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण क अध्यक्ष वीपी अग्रवाल कहला जे एहि स विमानन कंपनी कए बहुत पैसा बचि जाएत।

बिहार के मुश्ताक अहमद हॉकी इंडिया क कोषाध्यक्ष चुनल गेलाह

नई दिल्ली। अंतरिम अध्यक्ष विद्या स्टोक्स कए हॉकी इंडिया (एचआई) क नव अध्यक्ष चुनि लेल गेल अछि। ओतही बिहार क मोहम्मद मुश्ताक अहमद कए हॉकी इंडिया क नव कोषाध्यक्ष चुनल गेल। नरेंद्र बत्रा कए महासचिव चुनल गेल। ओना एहि चुनाव क किछु काल क बाद केंद्रीय खेल मंत्रालय हॉकी इंडिया क मान्यता समाप्त करि देलक। एहि स पूर्व हॉकी इंडिया क चुनाव मे स्टोक्स भारतीय हॉकी टीम क पूर्व कप्तान परगट सिंह कए 20 मत स पराजित केलथि। स्टोक्स कए 41 मत भेटल जखन कि परगट क हिस्सा मे 21 मत आएल। के.पी.एस. गिल क खिलाफ बगावत क बिगुल फूंकनिहार नरेंद्र बत्रा कए महासचिव चुनल गेल। संयुक्त सचिव पद क लेल रमेश नाम्बियार क चयन भेल जखकि हॉकी बिहार क मोहम्मद मुश्ताक अहमद कए कोषाध्यक्ष चुनल गेल। मुश्ताक हैदर कए 45-17 क अंतर स पराजित केलथि।

कमला कांत झा मैथिली अकादमी क अध्यक्ष बनलाह

पटना । राज्य सरकार मैथिली अकादमी क पुनर्गठन करि देलक अछि। हालांकि नीतीश सरकार क कार्यकाल पूरा हेबा मे किछु मास बाकी अछि तखन एकर पुनर्गठन कैल गेल अछि। कमला कांत झा कए मैथिली अकादमी क अध्यक्ष बनाउल गेल अछि। मैथिली अकादमी क कार्यसमिति आ सामान्य परिषद क सेहो पुनर्गठन कैल गेल अछि। आरएन कॉलेज मधुबनी क मैथिली विभाग क डा. विभूति आनंद, एएन कालेज पटना हिन्दी विभाग क रीडर डा.कलानाथ मिश्र आ पटना विवि मैथिली विभाग क अध्यक्ष डा. विरेन्द्र नारायण झा कए सामान्य परिषद क सदस्य बनाउल गेल अछि। ओतहि एमएलएसएम कॉलेज दरभंगा क मैथिली क अवकाश प्राप्त विभागाध्यक्ष डा. उमाकांत झा आ तिलका मांझी विवि भागलपुर मे रसायन विभाग क ज्योतिन्द्र चौधरी कए कार्य समिति क सदस्य मनोनीत कैल गेल अछि। ओना कार्यसमिति मे 8 पदेन आ 15 मनोनीत सदस्य होइत छथि। जखकि सामान्य परिषद मे 28 मनोनीत (कार्य समिति क 15 मनोनीत सहित) आ 21 पदेन सदस्य होइत अछि।

प्रधानमंत्री स गुहार, चाही पांच हजार करोड

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिदिन प्रधानमंत्री मनमनोहन सिंह स भेंट करि राज्य मे सूखा क स्थिति स निपटबा लेल केंद्र स तत्काल करीब 5 हजार करोड़ टका क आर्थिक सहायता क मांग केलथि। नीतीश प्रधानमंत्री स भेंट केलाक बाद कहलथि जे मानसून क खराब स्थिति क कारण बिहार भयंकर सूखा क चपेट मे अछि। बिहार सरकार राज्य क 38 मे स 28 जिला कए सूखा ग्रस्त घोषित केलक अछि, बाकी 10 जिला पर सेहो नजरि राखल जा रहल अछि।

मोदी आ वरूण कए बिहार मे जरूरत नहीं : राजग

नई दिल्ली। राजग संयोजक शरद यादव साफतौर पर कहलथि जे बिहार मे आगामी विधानसभा चुनाव मे जदयू आ भाजपा नहीं, बल्कि राजग चुनाव मे उतरत आ राजग दिस स नरेंद्र मोदी आ वरूण गांधी कए प्रचार क लेल नहि कहल जाएत। यादव कहला जे राज्य मे सीट क बंटवारा आ चुनाव अभियान मे पुरान व्यवस्था जारी रहत।

जदयूक दू दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी क समापन पर जदयू अध्यक्ष आ राजग क संयोजक शरद यादव कहला जे भाजपा आ जदयू मे पिछला विधानसभा चुनाव क दौरान भेल व्यवस्था एहि बेर सेहो लागू रहत। उल्लेखनीय अछि जे 2002 गोधरा दंगा क बाद स मोदी बिहार मे कहियो चुनाव प्रचार नहि करि सकताह अछि। जखकि बिहार मे मुस्लिम वोट कए हासिल करबाक जुगत मे 2009 मे भेल लोकसभा चुनाव क दौरान मोदी क बिहार एबाक कड़ा विरोध भेल छल। वरूण गांधी क बोर मे पूछल गेल एकटा सवाल पर यादव कहला जे वरूण गांधी के छथि। हालांकि यादव दूनू पार्टीक मतभेद कए दरकिनार करैत कहला जे हमर गठबंधन बहुत पुरान अछि आ इ आगू सेहो जारी रहत। बिहार मे कोनो पार्टी नहि, बल्कि गठबंधन चुनाव मैदान मे उतरत।

2015 तक पटना मे शुरू भ जाएत मोनो रेल

पटना। महानगर बनबा लेल अग्रसर बिहारक राजधानी पटना मे सार्वजनिक यातायात कए आधुनिक आ सुलभ रूप देबाक योजना जमीन पर उतरबा लेल तैयार भ गेल अछि। देश मे मुंबई कए बाद पटना दोसर शहर बनत जाहि ठाम मोनो रेल दौड़त। योजना पर ठीक स काज हुए त 2015 धरि मोनो रेल बनि कए तैयार भ जाएत। बिहार सरकार एकरा लेल अपन सहमति द देने छल, रेलवे सेहो एकरा लेल अपन सहमति प्रदान करि देलक अछि। पटना मे मोनो रेल क निर्माणक जिम्मेदारी रेलवे क इकाई राइट्स टेक्नो इकोनोमिक फिजिबिलिटी स्टडी कए देल गेल अछि। एहि संबंध मे अधिकारीक कहब अछि जे पटना क सड़क कए आओर बेसी चौड़ा करब संभव नहि अछि, जाहि स यातायातक गंभीर समस्या उत्पन्न भ सकैत अछि। एहन मे मोनो रेल कए पटना मे अनला स काफी हद त समस्या क निदान भ सकैत अछि। पटनाक किछु मुख्य सडक क रोड डिवाइडर पर पिलर बनाकए ओकर उपर मोनो रेल चलाएल जाएत। रेल मंत्रालय एकरा लेल पटना जंक्शन स पटना क मुख्य इलाक कए जोड़िनहार चारि टा सडक पर ट्रैक क निर्माण करबाक योजना कए अंतिम रूप द देलक अछि।

मोनो रेल फ्लिहाल अमेरिका, जर्मनी, जापान, मलेशिया सन देश मे काफी लोकप्रिय अछि। इ रेल कम लागत, प्रदूषण मुक्त, हल्का आ तीव्र गति स चलैत अछि। एहि मामला मे पथ निर्माण मंत्री प्रेम कुमार कहला जे पटना क आबादी कए देखैत सरकार मोनो रेल परियोजना पर काम करब शुरु करि देलक अछि। रेलवे क सहमति भेटलाक बाद एकर निर्माण मे जे किछु बाधा छल से आब दूर भ गेल। कुमार कहला जे बिहार सरकार रेलवे स सचिवालय आ दीघा क बीच रेलवेक जमीन कए सडक बनेबा लेल मांगि रहल अछि, ओकर बदला मे सरकार रेलवे कए आन ठाम जमीन देबा लेल तैयार अछि, ओ जमीन भेट गेला स पटना कए एकटा मुख्य सडक भेट जाइत आ बेली रोड आ बोरिंग रोड पर यातायातक दबाव सेहो कम भ जाएत। कुमार कहला जे रेलवे ओहि जमीन कए देबा लेल विचार करि रहल अछि, एखन ओहि जमीन पर बिछल पटरी पर केवल एकटा सबारी गाडी चलैत अछि, जेकर कोनो उपयोगिता नहि अछि आ पटना-हाजीपुर रेल पुल बनलाक बाद इ रेल मार्ग ओनाओ बंद भ जाएत।

हल होएत अपराधीकरण क पहेली

¥æÕ Á¹Ù
· æÙÙ · àææâÙ
ÖÚâ· SÍæçÂÌ
Ö ÚãÜ ¥çÀ Ì
ãÕæ· § ¿æãè Á
âÕÅæ ÎÜ Úæ’Ø
· çãÌ ÜÜ
¥æÕ ÕãÕÜè
· ° çÕâÚè ÙÜè·
Üô· · ° çÅ· Å
Î Üô· Ü»
¿ÙæßèU çß· Ë
ÂSÌÌ · ÚçÍ
ØçÎ ¿Ùæß
¥æØô» ¥æ
àææâÙ °çã Õ
âãô àææ´çÌçÂý
×ÌÎæÌæ · â´»
Î çÎ° Ì °çã
¿Ùæß × â¿×¿
ÚãÜ-âãÜ
ÕãÕÜè ¥æ
×ææÈ¤Øæ · âãô
ÚæÁÙèçÌ â
âÈ¤æØæ Ö Áæ°Ì
¥æ ¥ÂÚæÏ
· Â ÿæ ÜçÙãæÚ
ÙÌæ · ãæÚ
ãô°ÌÐ

बिहार विधानसभा क एहि चुनाव मे एकटा महत्वपूर्ण सवाल क जवाब भेटबाक उम्मीद अछि। एहि बेर इ साबित भ जाएत जे राजनीति क अपराधीकरण क लेल जनता यानी मतदाता जिम्मेदार अछि या विभिन्न दल क नेता। एखन धरि जनता नेता कए, आ नेता मतदाता कए एकरा लेल जिम्मेदार मानैत रहला अछि। हालांकि निष्पक्ष प्रेक्षक क इ राय रहल जे एकरा लेल अधिकतर मामला मे किछु प्रमुख नेता जिम्मेदार छथि। मुदा आब नतीजा पर पहुंचबाक मौका आबि गेल अछि। इ मौका बिहार क चुनाव द रहल अछि। बिहार ओहि किछु राज्य मे शामिल अछि जे राजनीति क अपराधीकरण क लेल चर्चित रहल अछि।

बिहार स चुनल गेल दूटा परस्पर-विरोधी बाहुबली सांसद जखन लोकसभा मे मारिपीट करि लेने छलाह त एहि घटना स मर्माहत संसदक विशेष अधिवेशन भेल छल। 1997 क ओहि अधिवेशन मे राजनीति क अपराधीकरण पर गंभीर चिंता प्रकट कैल गेल। फेर संसद सर्वसम्मत संकल्प केलक जे ‘राजनीति कए अपराधीकरण स मुक्त करब आ भ्रष्टाचार कए समाप्त करबा लेल राष्ट्रीय अभियान चलाउल जाएत।’ एहि संकल्प क दोसरे दिन बिसरा देल गेल। मुदा बिहार मे हाल क वर्ष मे राजनीति क अपराधीकरण क समस्या मे काफी कमी आईल अछि। एहन मौजूदा राज्य सरकार आ न्यायपालिका द्वारा किछु ठोस उपाय करबा स भेल अछि। अगिला चुनाव एहि उपाय कए अंजाम तक पहुंचेबाक अवसर बनि सकैत अछि।

इ स्थिति पहिल बेर पैदा भेल अछि जे एकटा चुनाव मे सब किछु साबित भ जाए। गत विधानसभा चुनाव मे बाहुबली हिंसा क तहत कोनो मौत नहि भेल छल। ओ हिंसामुक्त चुनाव नवंबर 2005 मे भेल छल। मुदा ओहि स पहिने जखन फरवरी 2005 मे राज्य विधान सभा क चुनाव भेल छल त चुनावी हिंसा मे 27 लोक क जान गेल छल। फरवरी 2005 मे एकटा मंत्रिमंडल कार्यरत छल आ नवंबर 2005 मे राष्ट्रपति शासन छल।

एकटा आओर गप देखबा मे भेटल । नवंबर 2005 क चुनाव मे ओहिस पहिलका चुनाव क अपेक्षा कम बाहुबली विजयी भ सकलाह। सन 2009 क लोकसभा क आम चुनाव मे सेहो बिहार मे कोनो बाहुबली-प्रेरित हत्या नहि भेल। किछु नक्सल प्रेरित हत्या जरूर भेल। ओ सेहो पहिनेक अपेक्षा काफी कम। सन 2009 क लोक सभा चुनाव मे सेहो 2005 क विधानसभा चुनाव क अपेक्षा कम बाहुबली चुनाव जीतलाह । यानी बिहार क राजनीति क अपराधीकरण किछु आओर कम भेल। यानी गत दो आम चुनाव मे चुनावी हिंसा लगभग नहि कए बराबर भेल। सन 2005 क नवंबर मे त पैघ संख्या मे अर्धसैनिक बल तैनात छल, मुदा 2009 मे त अधिकतर मतदान केंद्र पर त होम गार्ड क जवान तैनात छलाह। फेर बाहुबली, चुनावी हत्या करबाक हिम्मत नहि जुटा सकलाह। इ सेहो महत्वपूर्ण गप अछि जे 2005 आ 2009 मे जखन जनता कए भयमुक्त वातावरण मे मतदान करबाक मौका भेटल त ओ राज्य क अधिकतर ओहन बाहुबली कए सेहो अपन मत क जरिए हरा देलक जे गत कई चुनाव स लगातार जीत दर्ज करि रहल छलाह। यानी आम मतदाता क लेल बाहुबली जरूरी नहि छल अगर कानून अपन काम करै त। याद रहए जे अदालत गत करीब चार साल मे लगभग 49 हजार अपराधी कए सजा सुना चुकल अछि। भयमुक्त माहौल बनेबा मे एहि अदालती निर्णय सब महत्वपूर्ण भूमिका निभेलक अछि। एहि स पहिने एकटा नेता कहैत छल जे हम कोनो बाघ क खिलाफ बकरी कए त चुनाव मैदान मे नहि आनि सकैत छी। मुदा जनता बाघ कए सेहो पराजित करि देलक।

पहिने बिहार क कईटा बाहुबली कए इ लगैत छल जे चाहे ओ जाहि ठाम स जेकर हत्या करि दथि, किछु राजनीतिक शक्ति हुनका अंततः बचा लेत। मुदा आब एहन स्थिति नहि अछि। कानून अपन काज करि रहल अछि, एहि लेल मतदान केंद्र पर हिंसा आ जोर-जबर्दस्ती करनिहार बाहुबली क काफी कमी होइत जा रहल अछि। विधानसभा क अगिला आम चुनाव अक्टूबर-नवंबर मे हेबाक अछि। यदि गत दू चुनाव क भांति एहि बेर सेहो शासन आ चुनाव आयोग मतदाता कए भयमुक्त माहौल प्रदान करत त बचल-खुचल बाहुबली सेहो बिहार क विधायिका स बाहर भ जेताह।

जनता क रुख देखि कए त यैह लगैत अछि। एहि अनुभव कए झुठलेबा मे लागल किछु नेता एखनो डाकु कए वाल्मीकि’ बनेबा लेल प्रयत्नशील छथि। ओ एखनो मानैत छथि जे बाहुबली कए टिकट देब जरूरी अछि। अगर खूंखार बाहुबली एहि बीच सजायाफ्ता भ चुकल अछि त किछु खास क्षेत्र स चुनाव जीतबा लेल ओकर संबंधी कए टिकट देब जरूरी अछि। की बिहार क बदलल राजनीतिक माहौल मे आब इ करब जरूरी अछि?

जनता त नीक चरित्र क उम्मीदवार चाहैत अछि। इ त दल आ ओकर नेता छथि जे जनता क लेल इ स्थिति पैदा करि दैत छथि जे दूटा खराब मे स एकटा नीक कए चुनाव करू। उम्मीद अछि जे आम जनता एहि बेर बचल-खुचल बाहुबली कए राजनीति स बाहर करि देत। एहन सचमुच भ जाए त लोक इ अंतिम तौर स देख लेत जे कोना जनता नहि बल्कि किछु सत्ताकामी स्वार्थी आ माफियापक्षी नेता बिहार क राजनीति क अपराधीकरण क लेल जिम्मेदार छलाह।

बिहार मे जखन पहिल बेर राजनीति क अपराधीकरण शुरू भेल छल तखन सेहो ओकरा लेल तखुनका सत्ता पक्ष क किछु स्वार्थी नेता जिम्मेदार छलाह। ओ स्थानीय थाना आ अंचल कार्यालय कए घूसखोरी आ अन्याय क अड्डा बना देलाह। जखन जनता कए थाना आ अंचल कार्यालय स न्याय नहि भेटल तखन ओ स्थानीय बाहुबली क शरण मे जेबा लेल मजबूर भ गेल। बाहुबली कए तखने स सत्ता क संरक्षण छल। ओ बाहुबली कम स कम एक तरफक लोक कए न्याय देबा मे सक्षम छलाह। एहि स माफिया क ताकत बढ़ल। फेर किछु पैघ दल क खास नेता टिकट द कए हुनका विधायक आ सांसद बना देलथि। टिकट द देला स कोनो बाहुबली कए ओहि दल क वोट बैंक सेहो हासिल भ गेल। आब जखन कानून क शासन भरसक स्थापित भ रहल अछि त हेबाक इ चाही जे सबटा दल राज्य क हित लेल आब बाहुबली कए बिसरी नीक लोक कए टिकट द लोक लग चुनावी विकल्प प्रस्तुत करथि। यदि चुनाव आयोग आ शासन एहि बेर सेहो शांतिप्रिय मतदाता क संग द दिए त एहि चुनाव मे सचमुच रहल-सहल बाहुबली आ माफिया क सेहो राजनीति स सफाया भ जाएत आ अपराध क पक्ष लेनिहार नेता क हार होएत।

âÚÎ ç· àæôÚ

जनता त नीक चरित्र क उम्मीदवार चाहैत अछि। इ त दल आ ओकर नेता छथि जे जनता क लेल इ स्थिति पैदा करि दैत छथि जे दूटा खराब मे स एकटा नीक कए चुनाव करू। उम्मीद अछि जे आम जनता एहि बेर बचल-खुचल बाहुबली कए राजनीति स बाहर करि देत।

केंद्रीय वित्तमंत्री क गृहमोहः चिदंबरम सबस आगू, यशवंत सबसे पाछु

कोलकाता। बिहार आ यूपी क लोक मे देशक नेता बनबाक एहन भूत सवार रहल अछि जे गलतियो स अपन गृह राज्य लेल कोनो योजनाक नहि तैयार कए सकैत छथि। इ मामला किछु किछु धर्मनिरपेक्षता सन अछि, अपन धर्मक अनुष्ठान करबा स बेसी धर्मनिरपेक्षत नेता अनकर धार्मिक अनुष्ठान लेल तैयार रहैत अछि। हाल मे आएल एकटा रिपोर्टक अनुसार देश मे एखन धरि जतेक केंद्रीय वित्तमंत्री भेलथि अछि, ओहि मे सबसे बेसी गृहमोह चिदंबरम मे देखल गेल, जखन कि यशवंत सिन्हा एहि मामले मे सबस पाछु रहलाह। वर्तमान केंद्रीय वित्तमंत्री प्रणब मुखर्जी सेहो एहि मामले मे चिदंबरमक कए टक्कर द रहल छथि।

साल 2009 मे वित्त मंत्रालय क कमान सम्हारलाक बाद स मुखर्जी दिल्ली आ कोलकाता क बीच टकाक आवजाही बढेबा मे कोनो कोर कसर नहि छोडने छथि। कहबा लेल त केंद्र सरकार दोसर हरित क्रांति क शुरुआत क लेल बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेशआ उड़ीसा क लेल कुल 400 करोड़ रुपये के केंद्रीय फंड देलक, मुदा एहि मे स सबस पैघ हिस्सा लगभग 103 करोड़ बंगाल क झोली मे गेल।

बिहार जेका त ओनाओ विपक्षी दलक सरकार स कोनो राज्यक नेता नहि लडैत अछि, ताहि मे बंगाल त आओर पढल-लिखल समाज अछि। वामपंथी मंत्री आ प्रणब मुखर्जी क बीच तालमेल एतबा बेहतर अछि जे बेसीतर काज क लेल मुखर्जी क राय तक लेल जाइत अछि। चाहे कोनो विभाग क प्रस्ताव हुए, मुदा ओ एक बेर वित्त मंत्री क लग जरूर जाइत अछि। पश्चिम बंगाल क पर्यटन मंत्री मानव मुखर्जी कहैत छथि जे जहिया स प्रणब मुखर्जी वित्त मंत्री बनलाह अछि, परियोजना कए जल्द स्वीकृति भेटबा मे बड मदद भेट रहल अछि। वित्त मंत्रालय क कमान सम्हारलाक बाद बंगाल कए मुर्शिदाबाद मे एकटा हैंडलूम मेगा-क्लस्टर, पर्यटन क कईटा परियोजना आ फूड पार्क भेटल अछि।

किछु परियोजना क जिक्र त ओ बजट भाषण मे सेहो केने छथि। मुखर्जी क संसदीय क्षेत्र जांगीपुर मे बैंक क 20टा नव शाखा खुजल अछि। हालांकि मुखर्जी एकटा क्षेत्र मे चिदंबरम स पाछु चलि रहल छथि। ओ अपन कार्यकालक दौरान एखन धरि औद्योगिक परियोजना क लिहाज स बंगाल कए किछु खास नहि द सकलाह अछि। गौरतलब अछि जे पी चिदंबरम वित्त मंत्री रहैत तमिलनाडु एहि मोर्चा पर खासा तरक्की केने छल। वर्ष 2008 मे लार्सन एंड टुब्रो आओर तमिलनाडु औद्योगिक विकास निगम चेन्नई क नजदीक 3000 करोड़ टका क निवेश स शिपयार्ड कॉम्पलेक्स आ बंदरगाहक सुविधा क लेल समझौता केने छल। साल 2008-09 क बजट मे चिदंबरम पाइन क खारापन कए दूर करबा लेल एकटा संयंत्र लगेबाक घोषणा केने छलाह। 2007-08 मे तमिलनाडु क 5,763 जलाशय मे वापस स पाइन भरबा लेल 2,182 करोड़ टकाक ऋण समझौता भेल छल। मुदा एहि स पहिने यशवंत सिन्हा क कार्यकाल क गप करि त वित्त मंत्री क तौर पर ओ अपन गृह राज्य कए कोनो फायदा दिएबाक गलती नहि केलथि, वर्ना हुनका नाम पर क्षेत्रीय नेता हेबाक ठप्पा लागि सकैत छल। 1998-2002 मे हुनकर वित्त मंत्री क कार्यकाल क दौरान बिहार मे कोनो पैघ औद्योगिक परियोजनाक त गप छोड़ू छोट-मोट परियोजना देखबा मे नहि भेटल।

अंक- 47, साल-3, समाद प्रकाशन क लेल esamaad.com स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित। प्रबंधक : छवि झा, संपादक : कुमुद सिंह*, समाचार संपादक : पुतुल सिंह। (*खबरक चयन लेल जिम्मेदार)। फोन : 011-22484593, 09250281098, ई-मेल : esamaad@gmail.com